UP Board Notes Class 6 Hindi Chapter 18 बहादुर बेटा (मंजरी)

जो दूसरों .... भगवान उनकी रक्षा करते हैं।

संदर्भ – प्रस्तुत गद्यांश हमारी पाठ्यपुस्तक 'मंजरी' के 'बहादुर बेटा' नामक पाठ से लिया गया है। इसके लेखक विष्णु प्रभाकर जी हैं।

प्रसंग – लेखक 'परोपकार' और 'कर भला तो हो भला' जैसी भावनाओं का मूल्य प्रतिस्थापित करता है।

व्याख्या – लेखक ने 'मधुर' नामक महिला के माध्यम से संदेश दिया है कि यदि कोई किसी की भलाई करता है, तो उसकी भलाई का ध्यान स्वयं ईश्वर रखता है।

पाठ का सार (सारांश)

शहर में बाढ़ आ जाने के कारण संदीप रेडक्रॉस के अपने साथियों के साथ पीड़ितों की सहायता करने पहुँच जाता है। लोगों को बचाते-बचाते वह स्वयं डूबने लगता है; मगर उसके साथी उसे बचाकर सकुशल घर पहुँचा देते हैं।

https://www.evidyarthi.in/